बृहस्पतिवार
06 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 4

रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है 'पत्ता गोभी'

पृष्ठ 5

साउथ अभिनेता प्रभास को डेट कर रही हैं कृति सैनन?

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 238
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मुस्कान पाने वाला मालामाल हो जाता है पर देने वाला दरिद्र नहीं होता।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हिमस्खलन में दबे पर्वतारोहियों की तलाश जारी

पांच और शव बरामद, 22 अभी भी लापता

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। द्रोपदी के डांडा 02 आरोहण अभियान के दौरान हिमस्खलन की चपेट में आए नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के लापता 27 पर्वतारोहियों में से 5 लोगों के शव तलाश लिए गए हैं जबकि चार के शव कल बरामद किए जा चुके थे। इस हादसे में अब तक मृतकों की संख्या 9 हो चुकी है जबकि अभी 20 से 22 लोग लापता हैं। जिनकी तलाश में निम व गुलबर्ग (कश्मीर) से आई टीम तथा एनडीआरएफ व एयर फोर्स के जवान लगे हुए हैं।

मंगलवार सुबह हुए इस हादसे को अब 3 दिन का समय बीत चुका है। निम द्वारा इस अभियान पर गए ट्रैकर्स की लापता सूची जारी कर दी गई है। जिनकी संख्या 27 बताई गई है जिसमें से 9 के शव बरामद कर लिए गए हैं तथा 22 लोगों का अभी भी कोई पता नहीं चल सका है। हादसे की सूचना पर हादसे के शिकार हुए ट्रैकर्स के परिजन भी

❑अब तक 9 लोगों के मरने की पुष्टि
❑प्रशासन के रवैये से परिजनों में आक्रोश

उत्तरकाशी पहुंच गए हैं और उनमें सही जानकारी न दिए जाने को लेकर भारी आक्रोश है। जैसे जैसे समय बीत रहा है उनकी चिंताएं भी बढ़ती जा रही है अपनों को खोने का गम तो है ही साथ ही उनका कहना है कि उनके बच्चे कहां हैं किस हाल में है इसकी जानकारी न तो निम द्वारा दी जा रही है और न ही जिलाधिकारी द्वारा कुछ बताया जा रहा है। जबकि जिलाधिकारी अभिषेक रोहिला का कहना है कि उन्हें निम के द्वारा जो जानकारी दी जा रही है उसी आधार पर वह जानकारियां दे रहे हैं। खास बात यह है कि बीते कल जो 4 शव मिले थे उन्हें तो कल लाया ही नहीं जा सका और जो पांच शव मिले हैं उन्हें भी दोपहर 3 बजे तक बेस कैंप तक नहीं लाया जा सकाहै बीते कल 14 उन लोगों को रेस्क्यू कर लाया गया था जो जीवित अवस्था में मिले थे।

इस बड़े हादसे के बाद जहां स्थानीय प्रशासन के बीच तालमेल की कमी देखी गई है वहीं अब यह सवाल भी उठ रहे हैं कि जब खराब मौसम के बारे में पहले से ही अलर्ट जारी था तो ऐसी स्थिति में इस परीक्षण कार्यक्रम को रोका क्यों नहीं गया। सवाल यह भी है कि हिमस्खलन जैसी गतिविधियां भले ही एक प्राकृतिक क्रिया सही लेकिन इतनी बड़ी संख्या में हुई इन मौतों के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है?

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृहमंत्री के साथ वर्चुअल बैठक में किया प्रतिभाग

हमारे संवाददाता

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज नैनीताल पहुंच कर नैनीताल क्लब में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनसे ज्ञापन लिये। इसके बाद मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आहुत बैठक में वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज सुबह 11 बजे कैलाखान स्थित हैलीपेड पर उतरे। जिनका डीएम, एसएसपी आदि कई प्रशासनिक अधिकारियो ने स्वागत किया। यहां से वह राज्य अतिथि गृह नैनीताल पहुंचे, जहां क्षेत्रीय विधायक सरिता आर्य, भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट ने उनका पुष्प गुच्छ व कुमाऊं का प्रसिद्ध लोक कला ऐपण से बनी चौकी का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। जिसके बाद सीएम ने कार्यकर्ताओं से उनकी समस्याये सुनी। इस दौरान विधायक सरिता आर्य ने उनसे राष्ट्रीय राजमार्गो व

❑इससे पूर्व पार्टी कार्यकताओं से भी की मुलाकात

सड़कों की बुरी स्थिति से उन्हे अवगत कराया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने नैनीताल क्लब स्थित मुख्यमंत्री आवास से केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आहुत बैठक में वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री का शाम साढ़े चार बजे कैलाखान स्थित हैलीपेड से देहरादून रवाना होने का कार्यक्रम है।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य गोपाल बिष्ट, जिला पदाधिकारी कमल नयन जोशी, प्रदीप जनौटी, आंनन्द बिष्ट सहित भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुई सोनिया गांधी, राहुल संग की पदयात्रा

कर्नाटक। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी गुरुवार को कर्नाटक के मांड्या में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही इस यात्रा में सोनिया गांधी करीब 10 मिनट तक पार्टी

कार्यकर्ताओं के साथ पैदल चलीं। इसके बाद वह कार में बैठकर यात्रा के साथ रहीं। सोनिया गांधी के पहुंचने पर भारत जोड़ो यात्रा में शामिल कार्यकर्ताओं में जोश देखने को मिला है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक जारी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को 3700 किमी से अधिक दूरी तय करनी है। सोनिया गांधी ने मांड्या जिले के डाक बंगला इलाके से पदयात्रा शुरू की। वह पहली बार भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। सोनिया का कर्नाटक विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मांड्या में पदयात्रा करना इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि यह देवगौड़ा परिवार के दबदबे वाला क्षेत्र माना जाता है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'यह ऐतिहासिक क्षण है कि सोनिया गांधी इस यात्रा में शामिल हुई हैं।

थाईलैंड में पूर्व पुलिस अधिकारी ने चाइल्ड केयर सेंटर पर की फायरिंग, 34 की मौत

बैंकाक। थाईलैंड के एक चाइल्ड केयर सेंटर में हुई अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई है। इस हमले का ज्यादातर शिकार बच्चे हुए हैं। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक यह हमला देश के पूर्वोत्तर इलाके में हुआ है।

पुलिस के मुताबिक इस भीषण गोलीबारी को एक बंदूकधारी हमलावर ने अंजाम दिया है। वह एक पूर्व पुलिस अधिकारी है और हमले की घटना को अंजाम देने के बाद उसने खुद को गोलीमार कर खुदकुशी कर ली। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने एक बयान में कहा कि पीड़ितों में 22 बच्चे और वयस्क भी शामिल हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 34 लोगों की हत्या

करने के बाद आरोपी पूर्व पुलिस अधिकारी ने अपनी पत्नी और बच्चों की भी गोली मारकर हत्या कर दी और उसके बाद खुद को गोली मार ली। इससे पहले पुलिस ने बताया था कि पूर्व पुलिस अधिकारी घटना को अंजाम देने के बाद बैंकॉक लाइसेंस प्लेट के साथ एक सफेद पिकअप वैन से भाग गया। पुलिस ने गाड़ी का नंबर जारी करते हुए 192 नंबर पर कॉल करने को कहा था। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री प्रयुत चन ओचा ने सभी एजेंसियों को तुरंत एक्शन लेने और अपराधी को पकड़ने के लिए अलर्ट कर दिया है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, थाईलैंड में लाइसेंसधारी बंदूकों की संख्या अन्य देशों की तुलना में अधिक है। हालांकि लोगों में अवैध हथियार रखने का चलन नहीं होने से इस तरह की बड़े पैमाने पर मास शूटिंग बहुत कम ही देखने को मिलती है। हालांकि वर्ष 2020 में एक ऐसी ही घटना घटी थी जब प्रॉपर्टी डील से नाराज एक सैनिक भीषण ने भीषण गोलीबारी की थी, जिसमें कम से कम 29 लोग मारे गए और 57 लोग घायल हो गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

हादसों से हिला उत्तराखंड

विगत 2 दिनों से उत्तराखंड में हुए दो बड़े हादसों ने लोगों का दिल दहला दिया है। कोटवार जनपद के बीरोंखाल सिमड़ी में 1 बारातियों से भरी बस गहरी खाई में जा गिरी जिसमें 33 लोगों की जान चली गई तथा 19 लोगों को गंभीर चोटे आई है जो अब जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। वही दूसरा हादसा जो उत्तरकाशी जिले की ऊंची पहाड़ियों डोकराणी वामक में पेश आया जहां निम का 40 सदस्यीय पर्वतारोही दल हिमस्खलन की चपेट में आ गया जिसमें अब तक 9 लोगों के शव बरामद किए जा चुके तथा 14 को रेस्क्यू कर लिया गया है तथा 23 लोग अभी भी लापता है जिनकी तलाश में राष्ट्रीय स्तर पर बचाव और राहत कार्य चलाया जा रहा है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना से लेकर एनडीआरएफ तक की टीमें जुटी हुई है। लेकिन जो पर्वतारोही दल के 23 सदस्य 75 घंटे से भी अधिक समय से गहरी बर्फ में दबे हुए हैं उनके जीवित बचने की संभावनाएं बहुत कम बची हैं। देखना है कि रेस्क्यू टीम लापता 23 लोगों में से कितने लोगों को खोज पाने में सफल हो पाती है। इस हिमस्खलन की त्रासद घटना में उत्तराखंड ने अपनी उस बहादुर बेटी सविता को भी खो दिया जिन्होंने अभी हाल ही में एवरेस्ट फतह कर राज्य का नाम रोशन किया था। आज भी एक सड़क हादसे में एक कार के गहरी खाई में गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई है सवाल यह है कि जब पर्वतीय राज्यों में इस तरह के हादसे आए दिन पेश आते रहते हैं तो इन राज्यों में आपदा प्रबंधन के तंत्र को मजबूत क्यों नहीं बनाया जाता है। राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन विभाग तो है लेकिन इस आपदा प्रबंधन विभाग का कितना लाभ हो रहा है इसकी समीक्षा किए जाने की जरूरत है। कोटद्वार में हुए बस हादसे में पता चला कि शाम 6 बजे बस खाई में गिरी और रेस्क्यू टीम 12 बजे घटनास्थल पर पहुंची। आपदा प्रबंधन विभाग की टीम अगर उन स्थानों पर भी जहां तक पहुंचने के लिए सड़कों की सुविधा है अगर उसका रिस्पॉन्स टाइम 6 घंटे होता है तो उससे किसी पीड़ित की मदद की क्या उम्मीद की जा सकती है? हादसे का शिकार लोग रेस्क्यू टीम के पहुंचने तक 6 घंटे खुद ही जिंदगी और मौत से लड़ते रहे जो जहां था तड़पता रहा और मरता रहा। यह कोई अकेला वाक्या नहीं है। आए दिन इस तरह की खबरें हादसों के बाद आती रहती हैं। जबकि आपदा प्रबंधन अधिकारी इस रिस्पांस टाइम को लेकर बड़े-बड़े दावे करते हैं। हालांकि यह भी सच है कि उत्तराखंड का आपदा प्रबंधन विभाग बिना दातों के शेर है उसके पास पर्याप्त संसाधनों का भारी अभाव है अब बिना हथियार की फौज से भी तो आप जंग जीतने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। राज्य में एडवेंचर टूरिज्म की बातें तो बहुत बड़ी की जाती हैं लेकिन इसके लिए संसाधनों को कितना विकसित किया गया है? यह एक अहम सवाल है। पर्वतारोहियों के साथ हुए हादसे के कारणों को भी तलाशा जाना चाहिए जब मौसम इतना खराब था तो ऐसे में इस अभियान की अनुमति क्यों दी गई? निम के पास बचाव राहत की क्या सुविधाएं हैं आदि अनेक ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब तलाशे जाने चाहिए।

माया मिली ना राम!

आखिर जब स्थितियां बेहतर थीं, तब अर्थव्यवस्था को नहीं संभाला गया, बल्कि इसे चोट पहुंचाने वाले दुस्साहसी कदम भी उठाए गए, तो अब बुरे वक्त में उन सबका परिणाम एक साथ भुगतने के अलावा रास्ता क्या है? इस वर्ष जनवरी से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 90 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। इसके प्रमुख दो कारण बढ़ता व्यापार घाटा और डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत को कृत्रिम रूप से संभालने की भारतीय रिजर्व बैंक की कोशिश है। मार्केट में यह आम जानकारी रही है कि रुपये की कीमत को प्रति डॉलर 80 से नीचे ना गिरने देने की कोशिश में रिजर्व बैंक अपने भंडार से डॉलर बाजार में डालता रहा है। इसके बावजूद परिस्थितियां ऐसी बनी हैं, जिनमें ये कीमत 81 को पार कर गई है। तो अब तमाम वित्तीय अखबारों में यह खबर आई है कि अक्टूबर से रिजर्व बैंक अपनी नीति बदलेगा और रुपये की कीमत को स्वाभाविक रूप से परिस्थितियों के मुताबिक गिरने देगा। तो कुल मिला कर सूरत यह बनी कि जिस समय डॉलर का भंडार में होना सारी दुनिया में बेहद अहम हो गया है, उस समय रिजर्व बैंक ने बड़े पैमाने पर उसे एक ऐसे मकसद के लिए खर्च किया, जिसमें उसे अब सरेंडर करना पड़ा है। इसी बीच रिजर्व बैंक ने कुछ अंतर्विरोधी कदम भी उठाए। मसलन, मुनाफे में चल रही कंपनियों को रुपये के बदले एक बिलियन डॉलर तक हासिल करने की छूट उसने दी। जाहिर है, इससे डॉलर की मांग और बढ़ी। उधर अब तक गैर-जरूरी लग्जरी चीजों का आयात घटाने जैसे कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जबकि देश पर कर्ज चुकाने की देनदारियां भी हैं, जिनमें अगले सात महीनों में बड़ी मात्रा में डॉलर के जरिए पूरा करना होगा। इसके अलावा चूंकि वैश्विक परिस्थितियां बिगड़ती ही जा रही हैं, उसके मद्देनजर आगे की सूरत और चिंताजनक नजर आती हैं। ऐसे में रुपये की कीमत गिरेगी, इस सच को स्वीकार करने के अलावा कोई और चारा नजर नहीं आता। इसलिए आखिरकार रिजर्व बैंक सरकार की नाक बचाने की कृत्रिम कोशिशों से उबरता है, तो उसे सही दिशा में ही माना जाएगा। रुपये की कीमत गिरने के जो दुष्प्रभाव होने हैं, वे होंगे। आखिर जब स्थितियां बेहतर थीं, तब अर्थव्यवस्था को नहीं संभाला गया, बल्कि इसे चोट पहुंचाने वाले दुस्साहसी कदम भी उठाए गए, तो अब बुरे वक्त में उन सबका परिणाम एक साथ भुगतने के अलावा रास्ता क्या है? (आरएनएस)

पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की कब ऐसी चर्चा हुई थी?

हरिशंकर व्यास

ध्यान नहीं आ रहा है कि आखिरी बार कब किसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की ऐसी चर्चा हुई थी, जैसी अभी कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की हो रही है। भारत में आमतौर पर पार्टियों में अध्यक्ष के चुनाव नहीं होते हैं। आंतरिक लोकतंत्र के नाम पर पार्टियों में कुछ नहीं होता है। हर पार्टी का आलाकमान होता है, जिसके हिसाब से सारे फैसले होते हैं। आमतौर पर आलाकमान ही अध्यक्ष होता है या उसकी पसंद का कोई व्यक्ति निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया जाता है। कई पार्टियां तो चुनाव का झंझट ही खत्म करके अपने आलाकमान को स्थायी अध्यक्ष बनाने की दिशा में बढ़ गई हैं।

तभी चुनाव आयोग ने वाईएसआर कांग्रेस को चिट्ठी लिख कर जगन मोहन रेड्डी को स्थायी अध्यक्ष बनाए जाने के प्रयासों के लिए फटकार लगाई। उससे जवाब मांगा है। अभी जब कांग्रेस अध्यक्ष के चुनावों की चर्चा चल रही थी इसी बीच दो दिन में चुपचाप दो बड़ी पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिए गए। चार दिन पहले पटना में राष्ट्रीय जनता दल की बैठक हुई और लालू प्रसाद 12वीं बार पार्टी के अध्यक्ष चुने गए। इसके एक दिन बाद लखनऊ में समाजवादी पार्टी की बैठक हुई और अखिलेश यादव तीसरी बार अध्यक्ष चुन लिए गए। यह भी चर्चा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक और कार्यकाल मिल जाएगा।

कांग्रेस में भी अब तक ऐसा ही चलता आ रहा था। पिछले 20 साल से कांग्रेस में भी चुनाव नहीं हुआ। आखिरी बार सन 2000 में सोनिया गांधी को जितेंद्र प्रसाद ने चुनौती दी थी लेकिन बुरी तरह से हारे थे। उसके बाद सोनिया अध्यक्ष चुनी जाती रहीं। अध्यक्ष का कार्यकाल भी बढ़ा कर पांच साल कर दिया गया था ताकि बार बार चुनाव का झंझट नहीं रहे। सोनिया गांधी 1998 से 2017 तक अध्यक्ष रहीं। उसके बाद राहुल गांधी अध्यक्ष चुने गए। वह भी औपचारिकता थी। वे निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया तो फिर सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष बनीं और अंतरिम अध्यक्ष वाला सिस्टम तीन साल से चल रहा है। लेकिन इस बार सब कुछ बदला हुआ है। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव इस समय की सबसे बड़ी राजनीतिक घटना है। इस चुनाव के बहाने कितने राज्यों के समीकरण बन और बिगड़ रहे हैं।

यह पहली बार है, जब किसी पार्टी के अध्यक्ष के चुनाव को लेकर इतनी चर्चा है, इतना मीडिया अटेंशन हैं और इतनी दिलचस्पी है। ऐसा इसलिए भी है कि एक पूरी पीढ़ी ने जन्म लेने से लेकर जवान होने तक सोनिया और राहुल गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर देखा-जाना है। पिछले 24 साल में पहली बार कोई गैर गांधी कांग्रेस का अध्यक्ष बनने जा रहा है। इसलिए लोगों को यह जानने में दिलचस्पी है कौन अध्यक्ष होगा, वह कैसे काम करेगा, परिवार के असर में रहेगा या स्वतंत्र रूप से काम करेगा, उससे पार्टी का क्या भला होगा, कहां क्या समीकरण बदलेगा आदि आदि।

दिलचस्पी का एक कारण यह भी है कि क्या अब कांग्रेस के ऊपर लगने वाला वंशवाद का आरोप खत्म हो जाएगा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के तमाम नेता कहते रहे हैं कि कांग्रेस में अध्यक्ष का पद एक परिवार के लिए आरक्षित है। लेकिन अब जबकि उस परिवार का कोई व्यक्ति अध्यक्ष नहीं बन रहा है तो वंशवाद के आरोपों का क्या होगा? क्या कांग्रेस के ऊपर वंशवाद के आरोप लगने बंद हो जाएंगे? हालांकि इसकी संभावना कम है क्योंकि भाजपा ने पहले ही कहना शुरू कर दिया है कि कांग्रेस का जो भी अध्यक्ष बनेगा वह गांधी परिवार की कठपुतली होगा।

असली ताकत सोनिया और राहुल गांधी के पास ही रहेगी। नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद यह भी देखने वाली चीज होगी कि असली ताकत का इस्तेमाल कौन और कैसे करता है।

मेरे तो सत्ता गोपाल...!

अजय दीक्षित

मेरे तो गिरधर गोपाल गाने के दिन सो बीत गये । सन् 1950 से पहले तक भी गिरधर गोपाल जनमानस के जेहन में थे । पूर्ण पवित्रता के साथ तब समाज बंटा नहीं था, एक था । लेकिन इस देश के सत्ताधीशों का लोकतंत्र से पाणिग्रहण होने के बाद जीवन के मकसद, अर्थ, प्रयोजन ही, बदल गये । समाज की सतह पर वाचाल बाजीगर उभर आये, जो सार्वजनिक मंचों पर निहायत सफेद झूठ को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ सत्य के रूप में परोसते रहे और झूठे वादे करते रहे । सत्तर साल से लोकतंत्र की यह रामलीला हर चुनाव के नाम पर, पाँच साल बाद पूर्ण साजधज्जा से सजाई जाती रही है । आश्वासनों के षट् व्यंजन सत्ता समारोह के लिए परोसे जाते हैं । देश भक्ति और राष्ट्रीय अनुराग की लोली पोप चूसने के लिए बाँटी जाती है, जिन्हें भूखा बोटर पाँच साल तक चूसता रहता है । ये ठप्पा बरदार डिब्बा सरदार ई.वी.एम. के पंख पर सवार होकर सत्ता मन्दिर तक पहुँच जाते हैं । गोबरी लाल से करोड़ी लाल बन जाते हैं और फिर भजन मंडली में खड़ताल लेकर नाचते गाते नजर आते हैं --मेरे तो सत्ता गोपाल, दूसरो न कोई / जासो मिले झंडी कार, मेरो पति सोई ।

तो राष्ट्रीयता के पुजारी जो कभी गरीबों के आँसू पोंछने निकले थे और जिन्होंने रावी के तट पर कसम खाई थी कि हर बेईमान को बिजली के खम्भे पर टांग दिया जावेगा, अब सत्तर साल बाद गुनगुना रहे हैं कि राम तेरी गंगा मैली हो गयी, पापियों के पाप धोते-धोते भी, हमारे देश में गंगा में मैल धोने की प्रक्रिया दशकों से चल रही है । रिश्वत खोर अफसर, मुनाफाखोर ठेकेदार करोड़ों रुपये डकार गये, पर गंगा के मैल न धुले थे, न धुलेंगे । पिछली आधी शताब्दी से गंगा सफाई का करोड़ों रुपया डकार गये । दशकों से करोड़ों पापी, पाप धोने का अभिनय करते रहे हैं और करते रहेंगे । मानसी गंगा में नहाओ, वह जो तुम्हारे भीतर बह रही है । पाप धोने का ढोंग सार्वजनिक क्यों कर रहे हो । कर्मों की पवित्रता ही उसका फल है, यही सुख और संतोष है ।

कुंभ स्नान तो राष्ट्रीय एकता का पवित्र अनुष्ठान है, उसे चलने दो । कुंभ के महान आशय राष्ट्रीय एकता को राजनीति के कीचड़ में मत घसीटो । लोगों का धर्म पर से विश्वास ही उठ जायेगा, जैसे जनप्रतिनिधियों के प्रति उठ रहा है । जनता अब सोचती है कि वोट के मंगते भिखारी, सत्ता का स्वाद चखने के लिए हर पाँच साल बाद दरवाजे पर झुक-झुक कर सलाम करते हैं । इन गोबरी लालों को तो सिर्फ देश की सेवा करनी है । गली और मौहल्ले की नहीं । भले ही सैकड़ों निरीह नकली शराब पीकर मर जायें, सियासत चलनी चाहिये । ऐसे भी देश सेवक हैं, जिनके पिताजी तो वृद्धाश्रम में हैं, माताजी बरतन मांजती फिर रही हैं, औलादें चाकू की नौंक दिखाकर दुर्योधन बने घूम रहे हैं । ऐसे महान संस्कारी श्रवण कुमार अब देश की सेवा के लिए आपके द्वार पर दस्तक दे रहे हैं । सिर्फ कुर्सी के लिए, आजीवन सुख उपभोग के लिए और अतीत व्यतीत हुए सत्ताधारियों को कोसते हुए अपनी गोटी फिट कर रहे हैं । मेरे तो सत्ता गोपाल, दूसरो न कोई -- लो देखो आयाराम गयाराम की फसलें, देश सेवा के लिए लहराने लगी हैं । हर दल में टिकट पाने के लिए कौरव पांडवों के दल भिड़ रहे हैं । टिकिट पाने के लिए धक्का-मुक्की, मारपीट चल रही है ।

कपड़े फट रहे हैं । टी. बी.चैनल चटखारे ले-लेकर खबरें परोस रहे हैं । एंकर तो लगने लगा है कि भाड़े पर ही किसी दल का गुणगान करने के लिए ही बैठे हैं । समाचारों और प्रस्तुत विचारों को ऐसे दिग्भ्रमित किया जा रहा है जैसे सारा देश स्वर्ग की देहरी पर खड़ा हो चला है । नारों, यादों का कुहरा देश में पैदा किया जा रहा है ।

असलियत किसी की भी नजर न आये, अलावा सत्ता सेवक के । क्या भगवान अथवा धर्म भी अब तिजारती सामान हैं ?

आ पश्चातान्नासत्या पुरस्तादाश्विना यातमधरादुदक्तात्।
आ विश्वतः पाञ्चजन्येन राया यूयं पात स्वस्तिभिः सदा नः।।

(ऋग्वेद ७-७२-५)

हे सत्यवादी विद्वानों ! आप आगे से, पीछे से, ऊपर से, नीचे से, सभी दिशाओं से आओ और इस संसार के सभी प्रकार के मनुष्यों को सत्य धन प्रदान करो। आप हमें सदैव रहने वाली शांति और आनंद प्रदान करो।

O truthful scholars ! You come from the front, back, top, bottom, and all directions to bestow true wealth on every types of human beings in the universe. You give us everlasting peace and happiness. (Rig Veda 7-72-5)

कार की चपेट में आकर एक्टिवा सवार घायल

देहरादून (सं)। कार की चपेट में आकर एक्टिवा सवार घायल हो गया। जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नारायण विहार कारगी चौक निवासी रितिका गोस्वामी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई आयुष अपनी एक्टिवा से घर की तरफ आ रहा था जब वह जोगीवाला के पास पहुंचा तभी अज्ञात कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एमडीडीए कालोनी निवासी युवती ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह दून बिजनेस पार्क में काम करती है। गत दिवस विक्रम नामक व्यक्ति वहां पर आया और उसके साथ अभद्रता करने लगा जब उनके सहयोगी अनुज मिश्रा व मालिक अर्पित अरोडा ने बीच बचाव कराने का प्रयास किया तो उसने उनके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर के बाहर खडी ट्रेक्टर ट्राली चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर खडी ट्रेक्टर ट्राली चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छिददरवाला निवासी संदीप नेगी ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका ट्रेक्टर व ट्राली घर के बाहर खडी थी लेकिन जब वह सुबह उठा तो उसने देखा कि उसका ट्रेक्टर व ट्राली अपने स्थान से गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर के बाहर से एक्टिवा चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर खडी एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार काठ बंगला निवासी अरूण चौधरी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एसएसपी को फर्जी प्रार्थना पत्र देने पर मुकदमा

देहरादून (सं)। एसएसपी को दूसरे के नाम से फर्जी प्रार्थना पत्र देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोथरोवाला निवासी राजकुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सब्जी मण्डी निरंजनपुर निवासी संदीप जैन के द्वारा उसके फर्जी हस्ताक्षर कर एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर लोगों की शिकायत की गयी जबकि उसके द्वारा कोई भी प्रार्थना पत्र एसएसपी को नहीं दिया गया है। संदीप जैन ने उसके फर्जी हस्ताक्षर किये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा

देहरादून (सं)। घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुडबुडा मौहल्ला निवासी महिला ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रोहित चौहान उर्फ राजा उसके घर में घुस आया और उसके बेटे के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। उसने जब शोर मचाया तो वह जान से मारने की धमकी देकर चला गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चेक बाउंस मामले के वारंटी को किया गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने चेक बाउंस मामले में न्यायालय में पेश ना होने पर वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड गुमानीवाला निवासी रविन्द्र चमोली के खिलाफ चेक बांउस का मामला न्यायालय में दर्ज हुआ जिसके बाद से रविन्द्र चमोली न्यायालय में पेश नहीं हुआ। जिसके बाद न्यायालय ने उसके खिलाफ वारंट जारी कर दिया।

आज यहां ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने रविन्द्र के घर पर छापा मारकर उसको वहां से गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया।

3.88 लाख का बीमा क्लेम निरस्त करने पर बीमा कम्पनी को देने पड़े 5.37 लाख

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। राज्य उपभोक्ता आयोग द्वारा जिला उपभोक्ता फोरम के बीमा क्लेम निरस्त करने को सेवा में कमी मानते हुये क्लेम, मुआवजा व ब्याज भुगतान के आदेश को सही मानने के बाद बीमा कम्पनी ने उपभोक्ता को भुगतान कर दिया है। उपभोक्ता का उसके वाहन की चोरी का क्लेम न देने पर उपभोक्ता आयोग ने परिवादी को उसके क्लेम 3.88 लाख के स्थान पर 5.37 लाख भुगतान कराया है।

काशीपुर निवासी होशियार सिंह की ओर से अधिवक्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट द्वारा जिला उपभोक्ता फोरम उधमसिंह नगर में परिवाद दायर करके कहा गया था कि परिवादी ने वर्ष 2009 में स्वरोजगार हेतु एक महेन्द्रा बुलेरों खरीदी थी जिसका बीमा चोला मण्डलम एम.एस.जनरल इंश्योरेंस कं.लि. से 20419 रूपये का प्रीमियम भुगतान करके कराया। बीमा अवधि मे वाहन 21-08-2013 को चोरी होने पर सूचना पुलिस व बीमा कम्पनी को दी गयी जब वाहन पुलिस द्वारा काफी तलाश करने पर भी नहीं मिला तब परिवादी ने बीमा क्लेम दिलाये जाने हेतु कम्पनी के काशीपुर शाखा से निवेदन किया और सभी औपचारिकतायें पूर्ण की परन्तु परिवादी को न तो क्लेम दिया गया और न ही निरस्त करने की सूचना। इस पर उसने अपने अधिवक्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट के माध्यम से नोटिस भिजवाया जिस पर भी कोई कार्यवाही न करने पर परिवाद दायर किया गया।

बीमा कम्पनी की ओर से कम्पनी के मुख्यालय में 163 दिन बाद वाहन की चोरी की सूचना देने को बीमा क्लेम निरस्त करने का आधार बताते हुये बीमा क्लेम खारिज करने का कथन किया। जिला उपभोक्ता फोरम के तत्कालीन अध्यक्ष आर.डी.पालीवाल तथा सदस्या नरेश कुमारी छाबड़ा तथा सदस्य सबाहत हुसैन खान ने परिवादी के अधिवक्ता नदीम उद्दीन के तर्कों से सहमत होते हुये अपने निर्णय में लिखा कि बीमा की शर्त के अनुसार वाहन की चोरी के मामले में परिवादी द्वारा पुलिस को तुरन्त सूचना देनी थी। जिसमें कोई विलम्ब नहीं किया गया था। जानकारी होने के बावजूद भी बीमा कम्पनी द्वारा परिवादी के क्लेम को खारिज करना सेवा में कमी माना जायेगा।

जिला उपभोक्ता फोरम ने बीमा कम्पनी को वाहन की बीमित धनराशि तीन लाख अठासी हजार रूपये 7 प्रतिशत साधारण ब्याज सहित जो परिवाद दायर करने की तिथि 07-05-2015 से वास्तविक भुगतान की तिथि तक देय होगा, का भुगतान एक माह क अन्दर करने का आदेश दिया। साथ ही मानसिक क्षति के लिये 10 हजार रूपये तथा वाद व्यय के लिये 5 हजार रूपये का भी भुगतान करने का आदेश दिया।

बीमा कम्पनी ने इस आदेश के विरूद्ध अपील संख्या 65/2018 राज्य उत्तराखण्ड आयोग को कर दी। राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष जस्टिस डी.एस. त्रिपाठी तथा सदस्य उदय सिंह टोलिया की पीठ ने अपने निर्णय में इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के ओम प्रकाश तथा राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के गुरशिन्दर सिंह की रूलिग को लागू होना मानते हुये चोरी की सूचना बीमा कम्पनी को तुरन्त न देने पर बीमा क्लेम निरस्त करना सही नहीं माना तथा जिला उपभोक्ता फोरम के वाहन चोरी के बीमा क्लेम को बीमा कम्पनी को सूचना देने के आधार पर खारिज करना उपभोक्ता सेवा में कमी मानते हुये बीमा कम्पनी को उपभोक्ता को भुगतान के आदेश को पूर्णतः सही माना।

राज्य आयोग से कोई राहत न मिलने के बाद बीमा कम्पनी ने 5,37,353 रूपये के चैक को बीमा कम्पनी द्वारा जिला आयोग में जमा कराया गया चैक जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष सुरेन्द्र पाल सिंह के आदेश पर आयोग के प्रधान सहायक दिनेश चन्द्र द्वारा परिवादी के अधिवक्ता नदीम उद्दीन की मौजूदगी में उपभोक्ता होशियार सिंह को प्राप्त करा दिया।

कर्नाटक में हिंदुस्तान की सबसे भ्रष्ट सरकारः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा के 29वें दिन की शुरुआत कर्नाटक के मांड्या जिले के बेल्लार से की। यात्रा का यह पड़ा काफी खास माना जा रहा है क्योंकि कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्षा सोनिया गांधी भी आज भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो गईं। सोनिया का कर्नाटक विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मांड्या में पदयात्रा करना इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि यह देवगौड़ा परिवार के दबदबे वाला क्षेत्र माना जाता है।

मांड्या में पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी राज्य सरकार पर हमलावर नजर आए। सीधे तौर पर उन्होंने राज्य सरकार पर सबसे भ्रष्ट सरकार होने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि कर्नाटक सरकार हर चीज में 40 प्रतिशत कमीशन लेती है। राहुल गांधी ने यहां भारत जोड़ो यात्रा में दिव्यांग लोगों से बात की।

राज्य सरकार को घेरते हुए राहुल ने कहा कि कर्नाटक में शायद हिंदुस्तान की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह हर चीज में 40 प्रतिशत कमीशन लेती है।

सड़कों में पैचवर्क के लिए बजट बढ़ाये जाने की मांग

नगर संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने नगर आयुक्त देहरादून को पत्र के माध्यम से देहरादून नगर निगम के वार्डों में आंतरिक सड़कों में पैच वर्क हेतु बजट बढाये जाने एवं नालियों के ऊपर स्लैब डलवाये जाने की मांग की है।

नगर आयुक्त को लिखे पत्र में महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि देहरादून नगर निगम के सभी 100 वार्डों में आंतरिक गलियों की स्थिति काफी खराब है। विगत बरसात के चलते नगर निगम की आंतरिक सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। नगर निगम की ओर से हर वार्ड में ढाई लाख रुपए की लागत से पेचप वर्क कराने का निर्णय लिया गया है। लेकिन जिस तरह से नगर निगम की आंतरिक सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हैं, उन गड्ढों के हिसाब से हर वार्ड में ढाई लाख रुपए का बजट ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। इस हेतु महानगर कांग्रेस की मांग है कि नगर निगम की आंतरिक सड़कों के गड्ढों को भरने के लिए कम से कम हर वार्ड को 5 लाख का बजट जारी किया जाए, ताकि नगर निगम की आंतरिक सड़कें पूरी तरह से गड्ढा मुक्त हो जाए। साथ ही खुली नालियों पर स्लैब की व्यवस्था न होने से आये दिन दुर्घटनायें घटित हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में ठेकेदारों की ओर से जो भी निर्माण कार्य किए गए थे, उन निर्माण कार्य का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। ऐसे में नगर निगम की ओर से सड़कों के गड्ढे भरने का जो काम अब शुरू करने की तैयारी की जा रही है, तो ठेकेदार ये काम तभी करना चाहते हैं जब उनके द्वारा पूर्व में किये हुए कार्यों का भुगतान हो जाए।

लालचन्द शर्मा ने नगर आयुक्त के संज्ञान मे लाते हुए कहा कि पूरे नगर निगम क्षेत्र में पथ प्रकाश व्यवस्था की हालत काफी खराब है। मौजूदा समय में हर वार्ड में काफी संख्या में स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हुई है। लालचन्द शर्मा ने नगर आयुक्त से नगर निगम के सभी वार्डों में सडकों को गड्ढा मुक्त करने तथा खुली नालियों पर स्लैब डालने के साथ ही पथ प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चत करने की मांग की है।

बेस्ट कॉलर वाली शर्ट या टी-शर्ट का चुनाव ऐसे करें

शर्ट और टी-शर्ट पहनना ऑल टाइम फैशन ट्रेंड में शामिल होता है. वहीं, पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं में भी शर्ट और टी-शर्ट पहनने का क्रेज काफी बढ़ गया है. हालांकि, शर्ट और टी-शर्ट को लेकर सभी की अपनी-अपनी च्वाइस होती है. ऐसे में अगर आप कॉलर बेस्ड शर्ट या टी-शर्ट पहनना पसंद करते हैं, तो कुछ आसान तरीकों से अपने लिए बेस्ट कॉलर वाली शर्ट और टी-शर्ट चूज कर सकते हैं.

आजकल के बढ़ते फैशन ट्रेंड में कैजुअल और प्रोफेशनल दोनों ही लुक के लिए कॉलर वाली शर्ट या टी-शर्ट पहनना एक अच्छा ऑप्शन होता है. वहीं, शर्ट और टी-शर्ट के कॉलर में भी आपको कई विकल्प देखने को मिल सकते हैं. हालांकि, हर टाइप के कॉलर सभी पर सूट नहीं करते हैं. ऐसे में कुछ टिप्स फॉलो करके आप अपने लिए बेस्ट कॉलर वाली शर्ट या टी-शर्ट आसानी से सेलेक्ट कर सकते हैं.

फिटिंग पर करें फोकस

शर्ट या टी-शर्ट खरीदते समय लोग कपड़ों की फिटिंग पर तो पूरा ध्यान देते हैं, मगर कॉलर की फिटिंग को कई बार अवॉयड कर दिया जाता है, इसलिए कॉलर की फिटिंग चेक करने के लिए शर्ट या टी-शर्ट पहनने के बाद ऊपर की बटन बंद करें. अब उंगलियों को कॉलर और गर्दन के बीच में डालें. उंगली जाने पर कॉलर की फिटिंग परफेक्ट होती है.

कैजुअल और फॉर्मल लुक कॉलर

कैजुअल और फॉर्मल लुक वाली शर्ट या टी-शर्ट के कॉलर अलग-अलग होते हैं. जहां कैजुअल वियर के कॉलर सॉफ्ट होते हैं. वहीं, फॉर्मल के कॉलर स्टिफ नजर आते हैं. ऐसे में आप अपनी सहूलियत के हिसाब से शर्ट या टी-शर्ट का सेलेक्शन कर सकते हैं.

फेस को न करें अवॉयड

कई बार बेस्ट कलर और फिटिंग वाली शर्ट या टी-शर्ट का कॉलर भी आपके फेस पर सूट नहीं करता है. ऐसे में शर्ट या टी-शर्ट खरीदते समय चेहरे को नज़रअंदाज़ न करें. बता दें कि गोल चेहरे पर पॉइंट कॉलर और स्कवॉयर चेहरे पर टैब या पॉइंट कॉलर काफी अच्छे लगते हैं.

कॉलर के टाइप

सभी कॉलर वाली शर्ट या टी-शर्ट अमूमन एक जैसी ही दिखती हैं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि शर्ट या टी-शर्ट के कॉलर कुल सात प्रकार के आते हैं. जी हां, पॉइंट कॉलर के अलावा वाइड स्प्रेड कॉलर पतले और लम्बे चेहरे, कटअवे कॉलर हॉरिजेंटल फेस, क्लब कॉलर छोटे चेहरे और बटन कॉलर, टैब कॉलर या विंग कॉलर फर्मल लुक पर सूट करता है.(आरएनएस)

अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड के इस्तेमाल से त्वचा को मिल सकते हैं फायदे

अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड (एएचए) प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले रासायनिक यौगिकों का एक समूह है, जो त्वचा को पोषित करने के साथ ही स्वस्थ रखने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं। यही कारण है कि अधिकतर स्किन केयर प्रोडक्ट्स को बनाते समय अल्फा हाइड्रोक्सी एसिड का इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं कि एएचए युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं। एक शोध के अनुसार, एएचए त्वचा पर जमी गंदगी और कीटाणु को हटाने में मदद कर सकता है। यही नहीं, त्वचा पर डेड स्किन सेल्स से छुटकारा दिलाने में भी यह कारगर है। यह एक प्रभावी एस्ट्रिंजेंट भी है, जो त्वचा को जवां और स्मूद बनाकर रोमछिद्रों को छोटा करने में मदद कर सकता है। इसलिए एएचए युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना लाभदायक है।

शोध के अनुसार, एएचए एंटी-एजिंग गुणों से समृद्ध होता है, जो त्वचा के कोलेजन उत्पादन को बढ़ाकर महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करने में मदद कर सकता है। बता दें कि कोलेजन प्राकृतिक रूप से त्वचा में मौजूद होता है, जो त्वचा को टाइट और मुलायम रखता है, लेकिन अगर किसी कारणवश इसका उत्पादन कम हो जाए तो त्वचा पर समय से पहले बढ़ती उम्र के प्रभाव उभारने लगते हैं। अगर आप हाइपरपिग्मेंटेशन और किसी भी तरह के दाग-धब्बों आदि से छुटकारा चाहते हैं तो एएचए युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू कर दें। दरअसल, यह आपकी त्वचा को जवां बनाने के साथ-साथ रंगत को सुधारने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह मेलास्मा (त्वचा की बीमारी) का भी इलाज कर सकता है। कई शोध के अनुसार, एएचए चार हफ्तों में मेलास्मा को 50 प्रतिशत तक कम कर सकता है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है 'पत्ता गोभी'

पत्ता गोभी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट अल्जाइमर जैसी समस्याओं से बचाते हैं। वजन घटाने के लिए गोभी को डाइट में शामिल करें। पत्ता गोभी का सेवन आपकी त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद होता है।पत्ता गोभी के स्वास्थ्य लाभ : फिट और स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि सब्जियों को आहार में शामिल किया जाए, सब्जियां शरीर में पोषक तत्वों की आपूर्ति करती हैं। ऐसे में पत्ता गोभी आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। पत्ता गोभी ज्यादातर सभी को पसंद होती है, इसका इस्तेमाल सिर्फ सब्जी के तौर पर ही नहीं बल्कि कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाने में भी किया जाता है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है, इसलिए वजन घटाने के लिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसमें विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो आपकी सेहत को कई फायदे देते हैं। पत्ता गोभी का सेवन न सिर्फ दिल की बीमारियों को दूर करने में मददगार होता है बल्कि यह आपकी त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

रिपोर्ट के अनुसार पत्ता गोभी में कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है। यह आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगने देता और वजन घटाने में मदद करता है। डाइटर्स के लिए गोभी का सूप और सलाद एक बेहतरीन और पौष्टिक विकल्प माना जाता है।

पत्ता गोभी के सेवन से दिल की सेहत ठीक रहती है। उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में पत्ता गोभी पॉलीफेनोल्स से भरपूर होती है जो ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कम कर दिल की बीमारियों के खतरे को कम करती है।

पत्ता गोभी में विटामिन-के भरपूर मात्रा में होता है जो दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होता है। एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में, यह पार्किंसंस रोग, मनोभ्रंश और अल्जाइमर और बीमारियों से बचाता है। इसके अलावा पत्ता गोभी नींद की समस्या को कम करने और अच्छी नींद लेने में मदद कर सकती है।

पत्ता गोभी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है। यह त्वचा पर काले धब्बे और झुर्रियों को कम करने में भी मदद करता है। पत्ता गोभी सिर्फ त्वचा को ही नहीं बल्कि बालों को स्वस्थ और मजबूत रखने में मददगार है। यह कमजोर बालों के झड़ने और दोमुंहे बालों जैसी समस्याओं को कम करने में भी कारगर है।

इन चीज़ों से बनाइये घर के लिये पर्दे

घर की सजावट में पर्दों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इनकी मौजूदगी से घर की दीवारों, दरवाजे-खिड़कियों और फर्नीचर सभी की शोभा बढ़ जाती है। इतना ही नहीं पर्दे कमरो के पार्टिशन और प्राइवेसी को बनाये रखने में भी मदद करते हैं। घर में पर्दे लगाना बहुत आसान है फिर चाहे तो आप किसी फर्निशिंग की दुकान से आप ले सकते हैं या फिर ऑनलाइन भी माँगा सकते हैं। लेकिन यह दोनों ही आपको बहुत महंगे पड़ेंगे। लेकिन अगर आप खुद पर्दें बना लेंगी तो यह सस्ता पड़ेगा।

आज हम आपको कुछ ऐसे ही कपड़ों के बारे में बताने जा रहें हैं। जिन से आप सस्ते और आसानी से घर बैठे पर्दे बना सकती हैं। इसके लिए आपको बहार से महंगा कपड़ा खरीदने की कोई जरुरत नहीं है। चलिए जानते हैं कुछ ऐसे ही कपड़ों के बारे में। साड़ी अगर आपके घर में पुरानी साड़ियां हैं और आप उनका इस्तेमाल नहीं करती हैं तो आप इनका पर्दे बनाने में इस्तेमाल कर सकती हैं। सिल्क साड़ियों से बने पर्दे घर को बहुत ही आकर्षक लुक देगा। लेकिन सिंगल टोंड शिफॉन की साड़ी पर्दों के लिए सबसे अच्छी हैं क्योंकि यह घर के फर्नीचर से मिक्स एंड मैच हो जाएंगी। दुपट्टा सलवार कमीज के साथ मिलने वाले दुपट्टे अक्सर सलवार कमीज के ख़राब हो जाने के बाद भी अच्छे से रहते हैं। इन्हे आप घर में पर्दे बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि यह कई सारे रंगो और शेड्स में आते हैं।

स्टॉल्स स्टॉल्स ज्यादातर एक ही रंग के होते हैं जिन्हे हम गाउन और साड़ी के साथ पहनते हैं। इन्हे आप दूसरे पर्दों के साथ मिला कर पुराने पर्दों को और खूबसूरत बना सकती हैं। इसके लिए आपके पास बहुत सारे स्टॉल्स होने चाहिए। चादरे पुरानी चादरों से आप घर के लिए सबसे सस्ते पर्दे बना सकती हैं। आप दो से तीन चादरों को मिक्स करके नए पर्दे बना सकती हैं। कपड़े के अस्तर अगर आप अपने घर को कंट्री साइड सम्मेरी लुक देना चाहते हैं जिससे घर में धुप और रौशनी अच्छे से आये। तो आप अपनी ड्रेस के अस्तर का इस्तेमाल पर्दे बनाने में कर सकती हैं। मेज़पोश अगर आप सोच रही हैं कि क्रोशिया के पर्दे कैसे लगेंगे? तो ये काफी आर्टिस्टिक लुक देंगे आपके घर को।

शब्द सामर्थ्य -90

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

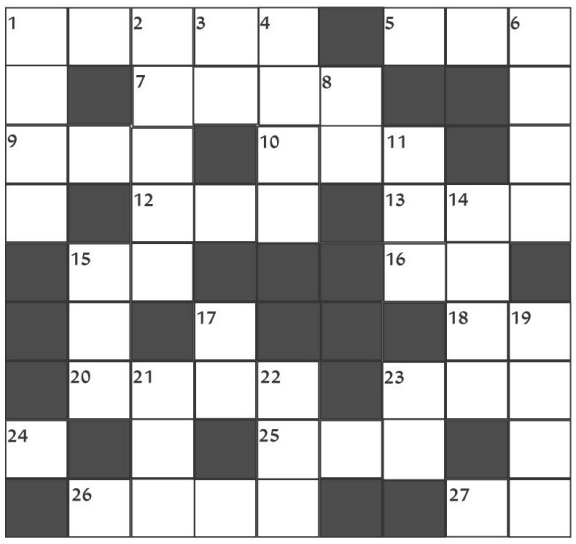

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

सना मेरे सफर का अविस्मरणीय हिस्सा बनने जा रही : राधिका मदान

फिल्म सना के लिए डबिंग शुरू कर चुकीं अभिनेत्री राधिका मदान ने कहा कि यह फिल्म एक अभिनेत्री के रूप में उनके सफर का अविस्मरणीय हिस्सा होगी।

राधिका ने कहा, इस किरदार में वापस जाना और सना के लिए मेरी आवाज को फिर से खोजना रोमांचक रहा है। सुधांशु की कहानी कहने का अंदाज असाधारण है और उनके निर्देशन के लिए डबिंग मुझे इसकी शूटिंग के जादुई अनुभव को फिर से जीने की अनुमति दे रही है। सना वास्तव में एक अभिनेत्री के रूप में मेरी यात्रा का एक अविस्मरणीय हिस्सा बनने जा रही है।

उनकी आने वाली फिल्म एक रिलेशनशिप ड्रामा है जो एक जिद्दी और महत्वाकांक्षी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अनसुलझे आघात के कारण आंतरिक लड़ाई लड़ रही है। निर्देशक सुधांशु सरिया ने कहा, राधिका के साथ सहयोग करना, जो सिनेमा को जिस तरह से देखती है, वह संतोषजनक, मजेदार और रचनात्मक रूप से समृद्ध है। मैं हमेशा याद रखूंगा कि वह उत्साही लड़की के रूप में मजबूत लग रही थी। मैं किसी अन्य अभिनेत्री की कल्पना नहीं कर सकता जो सना में जो कुछ भी है उसे सामने ला पाती। सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित और लिखित फोर लाइन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सना में राधिका मदान, पूजा भट्ट, शिखा तलसानिया और सोहम शाह हैं।

पिंक लुक में एक्ट्रेस पूनम बाजवा की खूबसूरती बना देगी आपको दीवाना

मुंबई में मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत करने वाली साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस पूनम बाजवा की खूबसूरती और क्यूट स्माइल देखकर किसी का भी दिल धड़क उठे। एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती का जलवा सोशल मीडिया पर बिखरेती रहती हैं। वहीं, पिंक कलर की वन पीस ड्रेस में एक्ट्रेस बेहद ही कातिलाना नजर आ रही हैं। पिंक ड्रेस में एक्ट्रेस पूनम बाजवा बेहद चार्मिंग नजर आ रही हैं। फैंस उनके लुक को काफी पसंद कर रहे हैं। पूनम बाजवा की किलर स्माइल और दिलकश अंदाज किसी का भी दिल जीत ले। मुंबई की रहने वाली पूनम ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। उन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम में मॉडलिंग करना भी शुरू कर दिया था।

पूनम एक रैंप शो के लिए हैदराबाद गई हुई थी। उसी दौरान उन पर एक डायरेक्टर की नजर पड़ी और यहीं से पूनम को अपनी पहली फिल्म मिल गई। 12वीं पास करने के बाद कॉलेज शुरू होने में 6 महीने का वक्त था। तो उन्होंने फिल्म में एक्टिंग के लिए हां कर दी। पूनम बाजवा ने साल 2005 में तेलुगु फिल्म मोदती सिनेमा से डेब्यू किया। इसके बाद वो कई साउथ की फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। पूनम बीते साल सुनील रेड्डी के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। वहीं, वो अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के लिए साझा करती रहती हैं। पूनम बाजवा सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 2.8 मिलियन फॉलोवर्स हैं। साउथ की एक्ट्रेस हर अंदाज में सिंपल और क्यूट लगता हैं। उन्होंने तमिल इंडस्ट्री में एक्टिंग की शुरुआत साल 2008 में की थी।

आयुष्मान खुराना कहते हैं हुमा कुरैशी को चुम्मा कुरैशी

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने हुमा कुरैशी को दिलचस्प उपनाम दिया है और उन्हें चुम्मा कुरैशी कहा है। कपिल शर्मा के साथ बातचीत के दौरान, आयुष्मान ने हुमा कुरैसी को चिढ़ाया कि कई लोग उन्हें चुम्मा कुरैशी कहते हैं और उनसे पूछा कि उन्हें यह नाम कैसे मिला, तो गैंग्स ऑफ वासेपुर की अभिनेत्री ने इसके पीछे की पूरी कहानी बताई।

उन्होंने आयुष्मान के साथ अपनी दोस्ती के बारे में भी बताया और कैसे मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने यह नाम उन्हें दिया। आयुष्मान और मैंने एक साथ एक संगीत वीडियो किया और तब से हम वास्तव में अच्छे दोस्त बन गए। इसलिए उस दौरान, मैं उन्हें आयुष-मैन कहती था जो सुपर-मैन की तरह लगता है। और एक मीडिया बातचीत में, उन्होंने मजाक में मुझे चुम्मा कुरैशी कहा, जो अब भी मुझे परेशान करती है। हुमा द कपिल शर्मा शो में महारानी सीजन 2 के कलाकारों के साथ विशेष अतिथि के रूप में आई जिसमें सोहम शाह, अमित सियाल, प्रमोद पाठक, दिब्येंदु भट्टाचार्य और अनुजा साठे हैं। द कपिल शर्मा शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

साउथ अभिनेता प्रभास को डेट कर रही हैं कृति सैनन ?

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता प्रभास और कृति सैनन जल्द आदिपुरुष में नजर आएंगे। ओम राउत इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म अगले साल 12 जनवरी को दर्शकों के बीच आएगी। फिल्म की शूटिंग समाप्त हो चुकी है। फिल्म में पहली बार प्रभास के साथ कृति स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। अब सुनने में आ रहा है कि प्रभास और कृति के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आदिपुरुष के लिए साथ काम करने के दौरान प्रभास और कृति में नजदीकियां बढ़ीं। कहा जाता है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान ही दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे। सोशल मीडिया पर भी फैंस दोनों के रिश्तों के बारे में कई तरह की बातें कर रहे हैं।

मानें तो दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता जा रहा है। खबरों की मानें तो दोनों अपने रिलेशनशिप को लेकर जल्दबाजी में नहीं हैं।

एक सूत्र ने बताया, महीनों पहले फिल्म खत्म करने के बावजूद उनका रिश्ता अब भी बरकरार है। वे एक-दूसरे को कॉल या मैसेज करने से कभी नहीं चूकते हैं और यह साबित करता है कि उनके पास एक-दूसरे के लिए आदर की भावना है। लेकिन इसे एक रिश्ता कहना बहुत जल्दबाजी होगा। कहा जाता है कि वे सेट पर एक-दूसरे साथ समय बिताना बेहद पसंद करते थे।

कृति से पहले प्रभास का नाम अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी के साथ जुड़ चुका है। अनुष्का प्रभास की ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में उनके साथ दिखी थीं। ऐसी चर्चा थी कि प्रभास-अनुष्का एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। बाद में दोनों के ब्रेकअप की खबरें भी आई थीं। एक इंटरव्यू में प्रभास ने कहा था, हम दोनों एक-दूसरे को 9 साल से जानते हैं और अच्छे दोस्त हैं। प्रभास ने अनुष्का के साथ अफेयर होने की खबरों को नकार दिया था।

प्रभास से पहले कृति का नाम भी कई अभिनेताओं के साथ जोड़ा गया था। सुनने में आया था कि वह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के प्यार में थीं। फिर कृति का नाम अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ भी जुड़ा था।

प्रभास के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह सिद्धार्थ आनंद की एक फिल्म में नजर आएंगे। वह स्पिरिट में भी दिखने वाले हैं। उनकी फिल्म सालार अगले साल सिनेमाघरों में आएगी। प्रोजेक्ट के में वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। शहजादा में कृति की जोड़ी कार्तिक आर्यन के साथ बनी है। फिल्म अगले साल 10 फरवरी को दस्तक देगी। टाइगर श्रॉफ की गणपत में भी कृति दिखेंगी। उनकी भेड़िया इस साल 25 नवंबर को आएगी।

स्मिता पाटिल मेमोरियल अवॉर्ड मिलने पर आलिया ने जताया आभार

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट, जो वर्तमान समय में अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ब्रह्मास्त्र की प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं क्योंकि यह 2022 की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है, को स्मिता पाटिल मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

अभिनेत्री ने अपने अनुयायियों के साथ समाचार साझा करने के लिए अपने इंस्टाग्राम के कहानी अनुभाग का सहारा लिया। सम्मान का प्रमाण पत्र साझा करते हुए, आलिया ने तस्वीर पर लिखा, स्मिता पाटिल मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आभारी और सम्मानित।

सभी को धन्यवाद। भिनेत्री स्मिता पाटिल की स्मृति में प्रियदर्शनी अकादमी द्वारा 1986 में स्थापित, स्मिता पाटिल मेमोरियल अवार्ड समारोह से पहले की अवधि में भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए एक भारतीय अभिनेत्री को प्रदान किया जाता रहा।

1994 तक यह पुरस्कार हर साल अभिनेत्रियों को दिया जाता था। हालाँकि, 1994 से समिति हर दो साल में एक बार अभिनेत्रियों को सम्मान प्रदान करती रही है।इससे पहले माधुरी दीक्षित, श्रीदेवी, तब्बू, मनीषा कोइराला, उर्मिला मातोंडकर और करीना कपूर खान जैसी अभिनेत्रियों को इस अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। पुरस्कार समिति ने 2016 में उस समय आलोचना की जब उसने बॉलीवुड स्टार कैटरीना कैफ को इस पुरस्कार से नवाजा था परंतु मीडिया और आम जनता के कुछ वर्गों ने महसूस किया कि अभिनेत्री सम्मान की पात्र नहीं थी। तापसी पन्नू 2020 में आलिया से पहले सम्मान पाने वाली आखिरी अभिनेत्री थीं।

इमरान हाशमी की ग्राउंड जीरो में हुई सई तम्हंकर की एंट्री

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी एक बाद एक दिलचस्प प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि इमरान हाशमी इस समय कश्मीर में अपनी नई फिल्म ग्राउंड जीरो की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं। फिल्म का निर्देशन तेजस देओस्कर कर रहे हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक आर्मी ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। ऐसे में अब जो रिपोर्ट्स सामने आई हैं उनके मुताबिक इमरान हाशमी की इस फिल्म में बॉलीवुड की एक हसीना की एंट्री हुई है।

ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान हाशमी की मिलिट्री ड्रामा में सई तम्हंकर अहम किरदार में दिखाई देंगे। इसके अलावा रिपोर्ट्स के अनुसार जोया हुसैन भी फिल्म में दिखाई देंगी। फिल्म में सई और इमरान हाशमी को रोमांस करते हुए देखा जाएगा। फ्रेश जोड़ी के बारे में बात करते ईटाइम्स से जुड़े सूत्र ने जानकारी दी, सई फिल्म में इमरान की पत्नी की भूमिका निभा रहे हैं। दोनों स्टार्स की फ्रेश ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को पसंद आएगी।

फिल्म के कलाकारों और क्रू ने हाल ही में श्रीनगर से अपना शेड्यूल पूरा किया और पहलगाम में शूटिंग शुरू की। सई को मिमी में उनके प्रदर्शन के लिए अपार सराहना के साथ-साथ पुरस्कार भी मिले। वह मधुर भंडारकर की इंडिया लॉकडाउन में भी दिखाई देंगी।

बॉलीवुड के अलावा सई तम्हंकर मराठी फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना-माना चेहरा, साई ने हाल ही में अपनी मराठी फिल्म फख्त महिलांसाठी की घोषणा की।

इमरान हाशमी की बात करें तो ग्राउंड जीरो के अलावा उनके पास सलमान खान और कटरीना कैफ की टाइगर 3 भी है। फिल्म का निर्देशन मनीषा शर्मा कर रहे हैं और ये अगले साल ईद के खास मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेताबी से इंतजार है।

चंदे का हिसाब तो होना चाहिए

अजीत द्विवेदी

चुनाव आयोग के इस प्रस्ताव का स्वागत किया जाना चाहिए कि पार्टियों को मिलने वाले नकद चंदे की सीमा तय की जाए लेकिन साथ ही यह उम्मीद भी की जानी चाहिए कि वह पार्टियों को हर तरह से मिलने वाले चंदे का हिसाब रखे और यह सुनिश्चित करे कि सत्तारूढ़ दल और विपक्षी दलों के बीच गैर बराबरी की स्थिति न बने। चुनाव आयोग को चुनिंदा प्रस्ताव नहीं भेजना चाहिए और न चुनिंदा तरीके से बरताव करना चाहिए। वह पार्टियों को मिलने वाले 2० हजार रुपए के नकद चंदे को लेकर तो चिंतित है लेकिन इलेक्टोरल बांड के जरिए सैकड़ों करोड़ रुपए के चंदे का लेन-देन ऐसे गोपनीय तरीके से हो रहा है कि किसी को पता ही नहीं चल रहा है किसने, किसको, कितना चंदा दिया, उसके बारे में आंख बंद किए हुए है। चुनाव आयोग को यह चिंता है कि पार्टियों को नकद चंदे की सीमा 2० करोड़ रुपए से ज्यादा नहीं होनी चाहिए लेकिन विदेश से मिलने वाले चंदे की कोई जांच नहीं होगी तो इससे उसको कोई चिंता नहीं है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। चुनाव आयोग को राजनीतिक चंदे के मामले में समग्रता से विचार करना चाहिए।

चुनाव आयोग ने सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है कि पार्टियों को मिलने वाले नकद चंदे की सीमा 2० हजार रुपए से घटा कर दो हजार रुपए की जाए। यानी जो गुमनाम चंदा होता है वह प्रति व्यक्ति दो हजार से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि इस तरह के अधिकतम चंदे की सीमा भी तय की जाए। आयोग के प्रस्ताव के मुताबिक वह सीमा कुल चंदे के 2० फीसदी या 2० करोड़ रुपए नकद में से जो कम हो उसके बराबर होनी चाहिए। इसका मतलब है कि व्यावहारिक तौर पर आयोग ने नकद चंदे की सीमा 2० करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव दिया है। सवाल है कि इतना भी क्यों होना चाहिए? क्यों नहीं सारा चंदा चेक से या डिजिटल तरीके से लेने का कानून बने और क्यों नहीं राजनीतिक दलों के चंदे को आय कर के दायरे में लाया जाए? क्यों नहीं पार्टियों को मिलने वाले हर पैसे का हिसाब हो और उस पर टैक्स लगाया जाए? आखिर पार्टियां कोई देश और समाज की सेवा तो कर नहीं रही हैं? वे जनता से चंदे के रूप में मिले टैक्स फ्री पैसे से चुनाव लड़ती हैं और जीतने के बाद उनको जनता के टैक्स के पैसे से मोटा वेत्तन और भत्ता मिलता है। तो फिर उनके चंदे को टैक्स फ्री क्यों रहना चाहिए?

भारत में हमेशा से यह नियम रहा है कि जो सरकार में होता है उसे ज्यादा चंदा मिलता है। क्या यह अपने आप में 'क्विड प्रो को' यानी मिलीभगत का सबूत नहीं है? क्या इससे यह प्रमाणित नहीं होता है कि सरकारी पार्टी को व्यक्तिगत या सांस्थायिक या कॉरपोरेट चंदा इसलिए ज्यादा मिलता है कि वह चंदा देने वालों की किसी तरह से मदद कर सकती है? यह तो दो जमा दो की तरह का आसान हिसाब है। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया। पहले से भी ऐसा होता था कि सरकार में रहने वालों को ज्यादा चंदा मिलता था लेकिन तब विपक्षी पार्टियों को भी कुछ चंदा मिल जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब लगभग समूचा चंदा सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा को जाता है। इस बात को प्रमाणित करने के लिए हर साल का आंकड़ा देने की जरूरत नहीं है। सिर्फ एक या दो साल के आंकड़ों से पता चल जाएगा। कोरोना वायरस जब चरम पर था, तब यानी वित्त वर्ष 2०2०-21 में भाजपा को 477 करोड़ रुपए का चंदा मिला था, जो कुल चंदे का 8० फीसदी था। उस समय सभी पार्टियों को मिला कर बड़े चंदे यानी नकद दिए जाने वाले चंदे के अलावा जो बड़ा चंदा होता वह 593 करोड़ का था, जिसमें से 8० फीसदी अकेले भाजपा को मिला था। देश की बाकी तमाम बड़ी पार्टियों को मिल कर जितना चंदा मिला उससे चार गुना अकेले भाजपा को मिला। चुनाव आयोग को क्या इस बारे में नहीं सोचना चाहिए?

इसके बाद आते हैं इलेक्टोरल बांड के मामले में। केंद्र की सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी की सरकार ने इलेक्टोरल बांड का एक सिस्टम शुरू किया। साल में चार बार इलेक्टोरल बांड जारी होते हैं और उन्हें कोई भी खरीद सकता है और खरीद कर उसे राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में दे सकता है। इस कानून के मुताबिक किसी को पता नहीं चलेगा कि इलेक्टोरल बांड किसने खरीदा। इसे पूरी तरह से गोपनीय रखा गया है। इससे राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता पूरी तरह से समाप्त कर दी गई है। यह झूठा प्रचार है कि बांड खरीदने वाली कंपनियां अपने बही-खाते में इसे दर्ज करेंगी। वह बही-खाता जनता के सामने नहीं आता है। इसलिए किसी को पता नहीं चलता है कि किस कॉरपोरेट घराने या कंपनी या व्यक्ति ने इलेक्टोरल बांड से किसको कितना चंदा दिया। इसी आधार पर चुनाव आयोग ने इसका विरोध किया था और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी इसका विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट में इसके विरोध में बरसों से एक याचिका लंबित है, जिस पर अब सुनवाई होनी है। उस याचिका में यह भी आशंका जताई गई है कि इससे काले धन को बढ़ावा मिलेगा। यह एक तथ्य नोट रखने लायक है कि इलेक्टोरल बांड से चंदे की शुरुआत होने के बाद पहले साल में इसके जरिए 95 फीसदी चंदा भाजपा को मिला था। इलेक्टोरल बांड से यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी कॉरपोरेट विपक्षी पार्टियों को चंदा न दे क्योंकि और किसी को पता हो या न हो कि बांड किसने खरीदा, सरकार को इसकी जानकारी रहती है।

इसके बाद तीसरा मामला विदेशी चंदे का है। दिल्ली हाई कोर्ट ने विदेशी चंदे के मामले में कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों को एफसीआरए के उल्लंघन का दोषी माना था। लेकिन केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने 2०18 में पार्टियों को मिलने वाले विदेशी चंदे के कानून में ही बदलाव कर दिया, जिससे 1976 के बाद से पार्टियों को मिले विदेशी चंदे को जांच से बाहर कर दिया गया। इसमें कांग्रेस ने भी भाजपा का साथ दिया। चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे के मामले में समग्रता से विचार करना चाहिए। अगर वह समग्रता से नहीं विचार कर सकती है तो उसे 2० हजार रुपए नकद चंदे की बजाय इलेक्टोरल बांड से मिलने वाले बड़े चंदे की जांच पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उसमें पारदर्शिता और बराबरी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। उसे विदेशी चंदे के मामले में दखल देना चाहिए और उसकी जांच करनी चाहिए। नकद चंदे के मामले में आयोग ने जो पहल की है उसका निशाना सिर्फ छोटी और विपक्षी पार्टियां बनेंगी। उनकी भी जांच होनी चाहिए लेकिन उनसे ज्यादा जरूरी है कि बड़ी और सत्तारूढ़ पार्टियों की जांच हो।

चीन कर रहा पाक का नुकसान

वेद प्रताप वैदिक

चीन कहता है कि पाकिस्तान और उसकी दोस्ती 'इस्पाती' है लेकिन मेरी समझ में चीन ही उसका सबसे ज्यादा नुकसान कर रहा है। आतंकवादियों को बचाने में चीन पाकिस्तान की मदद खम ठोक कर करता है और इसी कारण पाकिस्तान को पेरिस की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था (एफएटीएफ) मदद देने में देर लगाती है। इस समय पाकिस्तान भयंकर संकट में फंसा हुआ है। अतिवर्षा के कारण डेढ़ हजार लोग मर चुके हैं और लाखों लोग बेघर-बार हो चुके हैं।

मंहगाई आसमान छू रही है। बेरोजगारी ने लोगों के हौंसले पस्त कर दिए हैं। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ इस आपदा का सामना बड़ी मशक्कत से कर रहे हैं। वे बाढ़-पीड़ितों की मदद के लिए दुनिया के राष्ट्रों के आगे झोली फैला रहे हैं लेकिन चीन ने अभी-अभी फिर ऐसा कदम उठा लिया है, जिसके कारण पाकिस्तान बदनाम भी हो रहा है और उसे अंतरराष्ट्रीय सहायता मिलने में भी दिक्कत होगी।

संयुक्तराष्ट्र संघ ने लश्करे-तयबा के कुख्यात आतंकवादी साजिद मीर को ज्यों ही अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करने की कोशिश की, चीन ने उसमें अडंगा लगा दिया। यह प्रस्ताव भारत और अमेरिका लाए थे।

सुरक्षा परिषद ने जब-जब पाकिस्तान के इन लोगों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करके इन पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाने की कोशिश की, चीन ने उसका विरोध कर दिया। गत माह अब्दुल रउफ अजहर और गत जून अब्दुल रहमान मक्की के मामले में भी चीन ने यही किया।

चीन यही समझ रहा है कि ऐसा करके वह पाकिस्तान का भला कर रहा है लेकिन पाकिस्तान की सरकार को पता है कि ऐसा होने से पाकिस्तान का नुकसान होने की पूरी संभावना है। इस वक्त अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 युद्धक जहाजों की मदद क्यों भेजी है? क्योंकि उसने काबुल स्थित अल-क़ायदा के आतंकवादी ईमान-अल-जवाहिरी को मारने में अमेरिका की मदद की थी।

यदि भारत पर हमला करने वाले आतंकवादियों की चीन इसी तरह रक्षा करता रहेगा तो पाकिस्तान को मदद देने में पश्चिमी राष्ट्रों का उत्साह ठंडा पड़ सकता है। पाकिस्तान के लिए यह कितनी शर्म की बात है कि चीन के उइगर मुसलमानों पर चीन इतना भयंकर अत्याचार कर रहा है और पाकिस्तान के सारे नेता उस पर चुप्पी मारे बैठे हुए हैं।

दूसरे शब्दों में चीन बहुत चालाकी से पाकिस्तान का दोतरफा नुकसान कर रहा है।

एक तो पाकिस्तान को मिलनेवाली पश्चिमी मदद में चीन अडंगा लगा रहा है और दूसरा, उइगर मुसलमानों पर चुप्पी साधकर पाकिस्तान इस्लामी राष्ट्र होने के अपने नाम को धूल में मिला रहा है। साजिद मीर को मरा हुआ बताकर क्या पाकिस्तान अपने आप को झूठों का सरदार सिद्ध नहीं कर रहा है? बेहतर तो यह हो कि शाहबाज शरीफ हिम्मत करें और संयुक्त्राष्ट्र संघ का साथ दें। वे पाकिस्तान को बदनामी और कलंक से बचाएं।

सू- दोकू क्र.90

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.89 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

पुरानी पेंशन का चारा

पुरानी पेंशन योजना की समाप्ति का फैसला नव-उदारवादी नीतियों के कारण हुआ, जिन्हें देश ने लगभग आम सहमति के साथ स्वीकार कर लिया था। उन नीतियों के जारी रहते उनके एक स्वाभाविक को पलटना एक विसंगति ही माना जाएगा।

राज्यों में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अब विभिन्न विपक्षी दलों की तरफ से सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना वापस लाने के वादे की झड़ी लग गई है। संभवत: इस वादे के पीछे यह धारणा है कि चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में सरकारी कर्मचारी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिर यह भी माना जाता है कि अगर एक कर्मचारी खुश होगा, तो उससे जुड़े कई परिजनों का वोट संबंधित पार्टी को मिल सकता है। लेकिन इसी वर्ष उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विधानसभा चुनावों में यह वादा समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को जीत दिलाने में नाकाम रहा। फिर भी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकारों ने पुरानी पेंशन योजना बहाल कर दी है और अब गुजरात में ऐसा ही वादा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने किया है। लेकिन वहां भी इसके प्रभावी होने की संभावनाएं कम ही हैं। इसलिए कि तमाम मतदाताओं के बीच सरकार कर्मचारियों की संख्या न्यून होती है, बल्कि खुद सरकारी विभागों में अब लगभग एक चौथाई अस्थायी कर्मचारी हैं, जिन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती।

वैसे भी बाकी समाज ऐसी सुरक्षाओं से वंचित रहे, जबकि सरकारी नौकरी पा जाने वाले कुछ खुशकिस्मत लोगों की रिटायर्ड जिंदगी निश्चिंत होकर गुजरे, इस बात का कोई तर्क नहीं हो सकता। गौर करने की बात है कि 2००4 में पुरानी पेंशन योजना की समाप्ति का फैसला नव-उदारवादी कट्टरता की उन नीतियों के कारण हुआ, जिसे देश ने लगभग आम सहमति के साथ स्वीकार कर लिया था। अब बाकी क्षेत्रों में उन नीतियों पर आगे बढ़ना और उनके स्वाभाविक परिणाम एक निर्णय को पलट देना एक विसंगति ही माना जाएगा।

बेहतर यह होत कि राजनीतिक दल इन नीतियों पर अमल के तीन दशक के अनुभव के आधार पर इनकी अपना पूरा आकलन देश के सामने रखते। लेकिन ऐसा कर सकने की बौद्धिक क्षमता और साहस किसी दल के पास है, उसके कोई संकेत नहीं मिले हैं।

इस बीच चुनाव जीतने की बेसब्री में ऐसा वादा करना जिस पर अमल इन नीतियों के रहते समस्या ही पैदा करेगा- इन दलों की अल्पदृष्टि को जाहिर करता है। ऐसे वादों या उपायों से समाज का भला नहीं होता- यह हमें याद रखना चाहिए।(आरएनएस)

कार खाई में गिरी, तीन की मौत एक घायल

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। सड़क दुर्घटना में देर रात एक कार के खाई में गिर जाने से जहां कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों व घायल को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां घायल की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार देर रात बागेश्वर दफौट मोटर मार्ग पर पुलिस लाइन के समीप एक आल्टो कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। कार में चार लोग सवार थे जिनमें से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि चालक मनोज कुमार पुत्र पूरन निवासी सिमतोली की हालत गम्भीर है। हादसे की सूचना मिलने पर प्रशासन व पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना में विजय सिंह पुत्र सुरेश सिंह निवासी सिमतोली, रोहित पुत्र भूपाल सिंह, सुनील सिंह पुत्र सुरेश सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटना की सूचना परिजनों को दे दी गयी है। जिससे परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना पर क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री चन्दन रामदास, कपकोट विधायक सुरेश गढ़ियां, जिला पंचायत सदस्य बसंती देव सहित कई स्थानीय नेता मौके पर पहुंचे और घटना पर दुख जताते हुए चिकित्सालय पहुंच कर घायल का हाल चाल जाना।

मीडिया सेंटर में लगी आग, जरूरी दस्तावेज हुए खाक

हमारे संवाददाता

नैनीताल। मीडिया सेंटर हल्द्वानी में शॉट सर्किट के चलते आज भीषण आग लग गई। आग इतनी जबरदस्त थी कि सेंटर पर मौजूद जरूरी दस्तावेज जलकर खाक हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार आज सुबह जब कर्मचारी मीडिया सेंटर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मीडिया सेंटर में से धुंआ निकल रहा है। मामले की जानकारी दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने पहले तो लोगों को मौके से हटाया और कड़ी मशक्कत के बाद मीडिया सेंटर में लगी आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना में मीडिया सेंटर में रखे जरूरी दस्तावेज भी जलकर खाक हो गए हैं।

चारधाम व हेमकुण्ड साहिब में 40 लाख से अधिक पहुंचे श्रद्धालु

संवाददाता

देहरादून। चारधाम व हेमकुण्ड साहिब में दर्शनों के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं की संख्या चालीस लाख को पार कर चुकी है।

आज यहां पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री के निर्देशन में विश्वप्रसिद्ध चारधाम दर्शन हेतु देश-विदेश से आ रहे श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा लिए उत्तराखण्ड पुलिस समर्पित है। चारधाम एवं हेमकुण्ड साहिब यात्रा पर आए यात्रियों की संख्या 40 लाख पार हो गई है। इसके साथ ही लगभग 4 लाख 27 हजार वाहन भी चारधाम पहुंचे हैं। वर्तमान में रिकार्ड स्तर पर यात्री अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। यात्रा प्रारम्भ होने के बाद केदारनाथ धाम में लगभग 13 लाख 68 हजार, बदरीनाथ धाम में 14 लाख 67 हजार, गंगोत्री में 5 लाख 85 हजार, यमुनोत्री में 4 लाख 59 हजार, हेमकुण्ड साहिब में 1 लाख 88 हजार से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा दर्शन किये जा चुके हैं। उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा प्रत्येक स्तर पर तीर्थयात्रियों की हर सम्भव सहायता की जा रही है, जिससे उनके मन में देवभूमि की पवित्र आस्था के साथ ही उत्तराखण्ड पुलिस की सकारात्मक छवि की स्मृतियां भी अंकित हो रही है। हम सुरक्षित व निर्बाधित चारधाम यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है।

फर्जी बिल लगाने वाले अस्पतालों की सूचीबद्धता समाप्त करने व उनके नाम समाचार पत्रों में प्रचारित किये जाये: मुख्य सचिव

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में सचिवालय में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण, उत्तराखण्ड की द्वितीय शासकीय सभा की बैठक आयोजित हुयी। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया।

मुख्य सचिव ने कहा कि आयुष्मान भारत, अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना के अंतर्गत 100 प्रतिशत सैचुरेशन किया जाए। राशन कार्ड न होने के कारण जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बन पा रहे हैं, उनके लिए आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड आदि सरकारी पहचान पत्रों को अनुमन्य किया जाए। उन्होंने इसके लिए जनता की शिकायतों के निवारण के लिए प्रभावी प्रणाली तैयार करने के भी निर्देश दिए।

❑आयुष्मान कार्ड के लिए राशन कार्ड के अलावा आधार, वोटर कार्ड व अन्य सरकारी पहचान पत्रों को अनुमन्य किया जाए

मुख्य सचिव ने फर्जी बिल लगाने वाले अस्पतालों पर लगातार जुर्माना लगाने और अस्पतालों की सूचीबद्धता समाप्त किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन अस्पतालों की सूचीबद्धता समाप्त की जा रही है, उन अस्पतालों की सूची समाचार पत्रों के माध्यम से प्रचारित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को ओपीडी को पूर्ण कम्प्यूट्रीकृत किए जाने के भी निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में अस्पतालों को बढ़ावा देने हेतु पॉलिसी तैयार की जाए।

इस अवसर पर अध्यक्ष राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण श्री डी. के. कोटिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पानी कम होने के बावजूद गंगा में डूबे दो युवक लापता

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सालाना नहरबंदी के बावजूद कम जल में स्नान कर रहे दो युवक हर की पैड़ी के समीप गंगा में डूब गये। बताया जा रहा है दोनो युवक दिल्ली निवासी है जो गहरे गड्ढो में डूब कर लापता हो गये। सूचना मिलने पर जल पुलिस द्वारा मौके पर पहुंच कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी कुछ युवक घूमने के लिए हरिद्वार आये थे जो बड़ी शिव मूर्ति के पीछे नहाने गंगा में उतरे थे। बता दें कि कई जगहों पर गंगा में गहरे खड्डे बने हुए है और उनमें पानी भरा हुआ है। आस पास जल कम होने की वजह से दोनो युवक यहां नहाने के लिए पहुंचे थे। जिनकी अब जल पुलिस तलाश में जुटी हुई है।

भाजपा नेता अपने चहेतों को बांट रहे है नौकरियां: धीरज

नगर संवाददाता

देहरादून। एनसीपी के राष्ट्रीय नेता धीरज शर्मा व सोनिया दूहन आज एक निजी कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड की राजधानी देहरादून पहुंचे। जिनसे राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ आहूजा ने अनौपचारिक बैठक कर राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की।

राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरज शर्मा ने बीजेपी को यूकेएसएससी व अन्य भर्ती घोटालों को लेकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में एक ओर बेरोजगारी चरम पर है युवा आत्महत्या करने को मजबूर हैं वहीं दूसरी ओर भाजपा के मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष तक अपने चहेतों को नौकरियां बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी भाजपा के बड़े नेता भर्ती घोटालों में लिप्त पाए गए हैं इन पर कार्यवाही कब होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सीबीआई जांच करवाएं व राज्य के युवाओं को छलना बंद करें।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विद्यार्थी सेल की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया दूहन ने कहा कि भाजपा की सरकार महिला विरोधी है, उन्होने आरोपित भाजपा नेता के बेटे को बचाने के लिए जांच सही ढंग से न करने व मामले में लीपापोती करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड़ की बेटी अंकिता की रिजॉर्ट मालिक द्वारा की गई निर्मम हत्या इस बात का उदाहरण है कि बीजेपी महिलाओं का सम्मान किस तरीके से करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच कराए और फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चला कर दोषी को फांसी तक पहुंचाए।

उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मुहैया कराने को सरकार से होगी वार्ता: नेगी

नगर संवाददाता

विकासनगर: जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश का गरीब एवं मध्यम वर्गीय विद्युत उपभोक्ता महंगी बिजली की मार से परेशान है। इस परेशानी से निजात दिलाने को लेकर मोर्चा शीघ्र ही सरकार के समक्ष सस्ती बिजली दिलाने के उपायों पर वार्ता करेगा।

नेगी ने कहा कि निजी क्षेत्र की विद्युत परियोजनाओं/केंद्रीय स्वामित्व वाली परियोजनाओं से सरकार को वर्ष 2020-21 में 1027.52 मिलियन यूनिट एवं 2021-22 में 1098.67 एम.यू. रॉयल्टी के रूप में क्रमश: 2.32 रूपये प्रति यूनिट एवं 2.28 रूपये के हिसाब से मिली। इसी प्रकार प्रदेश के स्वामित्व वाली जल विद्युत परियोजनाओं से भी प्रतिवर्ष हजारों एम. यू. बिजली उत्पादित होती है। कुछ बिजली बाहर से महंगे दामों पर विभाग की लापरवाही की वजह से जरूर खरीदनी पड़ती है, लेकिन इस फेर में आम उपभोक्ता पिस रहा है। नेगी ने कहा कि वितरण एवं ए.टी. एंड सी. हांनियां लगभग 30 से 35 फीसदी तक हैं, जो बिजली के दामों में बढ़ोतरी करने को सबसे बड़ा कारक है, इस पर प्रभावी अंकुश की जरूरत है। नेगी ने कहा कि विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से प्रति 100 यूनिट्स तक 2.90 रूपये, 100 से 200 तक 4.20 रूपये, 200 से 400 यूनिट तक 5.80 रूपये एवं 400 यूनिट्स से ऊपर 6.55 रूपये निर्धारित किया हुआ है, जोकि आमजन को लूटने के लिए काफी है। मोर्चा सरकार से 100 यूनिट के स्थान पर 200 यूनिट का स्लैब निर्धारित करने एवं लाइन लॉस कम करने की मांग करेगा। पत्रकार वार्ता में मोहम्मद असद व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

एक नजर

कैलिफोर्निया में पंजाबी परिवार के बच्ची समेत लापता हुए 4 लोगों के शव बरामद

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में पंजाबी परिवार के बच्ची समेत लापता हुए लोगों के शव बरामद किए गए है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में अपहृत सिख परिवार के चारों सदस्य एक बगीचे में मृत मिले हैं। राज्य के शेरिफ ने यह जानकारी दी। शेरिफ वर्न वार्नके ने बुधवार को बताया कि शव मर्सेड काउंटी के एक बगीचे में बरामद हुए। अधिकारियों ने सैन फ्रांसिस्को के दक्षिण-पूर्व में सैन जोकिन घाटी के मर्सेड से 8 महीने की बच्ची और उसके परिवार के तीन अन्य सदस्यों का एक व्यक्ति द्वारा अपहरण किए जाने का वीडियो सोमवार को जारी किया था, जिसके बाद शेरिफ ने यह घोषणा की है। परिवार के सदस्यों की पहचान आठ माह की आरुही धेरी, उसकी मां जसलीन कौर (27), पिता जसदीप सिंह (36) और जसदीप के भाई अमनदीप सिंह (39) के तौर पर हुई थी। अधिकारियों ने पहले कहा था कि परिवार का एक लुटेरे ने अपहरण किया और उसने अपहरण के एक दिन बाद खुद को मारने की कोशिश भी की थी।

केरल में दो बसों की टक्कर में 9 की मौत, 40 से ज्यादा घायल

पालक्काड। केरल से दर्दनाक खबर है। यहां पालक्काड जिले के वडक्कांचेरि में एक प्राइवेट टूरिस्ट बस और केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की बस के बीच टक्कर होने से पांच छात्रों समेत नौ लोगों की मौत हो गई है। केरल के सड़क परिवहन मंत्री एंटनी राजू ने गुरुवार ने बताया कि हादसा बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार निजी बस एक गाड़ी को 'ओवरटेक' करने के प्रयास में केएसआरटीसी की बस से टकरा गई। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, ष्हादसे में पांच छात्रों और एक शिक्षक समेत नौ लोगों की मौत हो गई।ष मंत्री ने बताया कि प्राथमिक जांच में संकेत मिले हैं कि हादसा चालक के बस को तेज गति से चलाने और उसकी लापरवाही के कारण हुआ। उन्होंने बताया कि केएसआरटीसी की बस केरल के कोट्टारक्करा से तमिलनाडु के कोयंबटूर जा रही थी और उसमें 81 यात्री सवार थे, जिनमें से तीन की हादसे में मौत हो गई। वहीं, निजी बस में एर्नाकुलम के 'बेसिलियोस विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल' के 42 छात्र और पांच शिक्षक सवार थे। राज्य के स्थानीय स्वशासन मंत्री एम बी राजेश पालक्काड के एक अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलने पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है, जबकि अन्य लोगों की स्थिति स्थिर है। इस बीच, राज्य के राजस्व मंत्री के राजन ने पत्रकारों से कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएंगे।

सिटी हॉल पर बदमाशों ने की गोलीबारी, मेयर समेत 18 लोगों की मौत

नई दिल्ली। मेक्सिको में एक बार फिर से खूनी संघर्ष देखने को मिला है। मेक्सिको के सैन मेगुल टोटोलेपन में स्थित सिटी हॉल में बदमाशों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई हैं। गोलीबारी की घटना में कम से कम 18 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में मेयर भी शामिल हैं। जब यह गोलीबारी हुई तो सिटी हॉल और उसके आसपास अफरातफरी मच गई थी। हालांकि कहा जा रहा है कि इस गोलीबारी में मरने वालों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। इस घटना का कारण अभी सामने नहीं आया है। गोलीबारी की घटना के समय सिटी हॉल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। बुधवार शाम को हुई इस गोलीबारी की घटना में बदमाशों ने खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल किया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें सिटी हॉल के बाहर बड़ी संख्या में खून से लथपथ शव पड़े देखे गए हैं। इसके साथ ही इमारत में अंधाधुंध गोलीबारी के बाद छर्रों के निशान बन गए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार कहा जा रहा है कि घटना में मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। लेकिन सोशल मीडिया पर आए वीडियो और तस्वीरों में सिर्फ 18 ही शव हॉल के बाहर पड़े देखने को मिले हैं। इसी के आधार पर अब तक 18 की मौत की पुष्टि हुई है।

लाल ढांग पहुंचे 16 शव, मचा हाहाकार

- डीएम ने पीड़ितों को बंधाया ढांढस
- चंडी घाट पर किया गया अंतिम संस्कार
- क्षेत्र में शोक की लहर, बाजार बंद रहे

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। बीते मंगलवार शाम कोटद्वार में हुए सड़क हादसे में मारे गए 16 लोगों के शव आज जब लाल ढांग पहुंचे तो क्षेत्र में हाहाकार मच गया। इस दुर्घटना में मरने वाले 33 लोगों में से 16 लोग लाल ढांग के ही रहने वाले थे। इस दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद से क्षेत्र में शोक की लहर है।

हरिद्वार के लाल ढांग से सज संवर कर दुल्हन लेने निकले दूल्हे संदीप ने शायद कभी ऐसी अनहोनी की कल्पना भी नहीं की होगी कि उसके परिवार पर इस तरह मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ेगा कि एक झटके में ही सब कुछ खत्म हो जाएगा। इस हादसे में भले ही संदीप की जान बच गई सही, लेकिन उसे अपने भाई-बहन और दो बहनोईयों तथा भतीजो के साथ-साथ तमाम अपने उन सगे संबंधियों को खो दिया है जो उसकी शादी का प्रत्यक्षदर्शी बनने जा रहे थे। इस हादसे में अपनी जान गवाने वाले 33 लोगों में से 16 लोग या तो संदीप के परिजन थे या फिर पास पड़ोसी जिनके शव आज एक साथ लाल ढांग पहुंचे पहले से बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी यहां मौजूद थे। 16 शव जब यहां सफेद चादर में लिपटे एक साथ पहुंचे तो चारों ओर चीत्कार मच गया।

इस मौके पर जिला अधिकारी भी पीड़ितों के बीच पहुंचे तथा उन्होंने पीड़ितों का ढाढस बंधाते हुए कहा कि वह पीड़ित परिवार के साथ हैं तथा उन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने देंगे। हरिद्वार जिला प्रशासन द्वारा ही इन सभी शवों का अंतिम संस्कार चंडी घाट पर कराने की व्यवस्था भी कराई गई थी।

इस घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में गम का माहौल है क्षेत्र में आज सभी दुकानें और बाजार भी बंद रहे। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में इन सभी शवों को अंतिम संस्कार के लिए चंडीघाट लाया गया जहां इनको गमगीन माहौल में अंतिम विदाई दी गई। इस हृदय विदारक घटना से सभी का मन उदास और परेशान था इस दौरान लालढांग और उसके आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहले ही इसकी मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दे चुके हैं तथा मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख के मुआवजे की घोषणा कर चुके हैं।

दो दिनों से लापता युवक का रक्त रंजित शव बरामद, हत्या की आशंका

हमारे संवाददाता

ऊधमसिंह नगर। किच्छा में दो दिनों से लापता युवक का गौला नदी किनारे सें शव बरामद कर लिया गया है। हत्यारों ने युवक की हत्या कर उसका शव गौला नदी किनारे फेंक दिया था। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार शम्भू पुत्र सुशील दफादार निवासी रेलवे कॉलोनी जंगल से लकड़ी एकत्र कर अपने परिवार की गुजर बसर करता था। बीते मंगलवार को वह घर से दोपहर में निकल गया था। शाम को जब वह घर लौट कर नहीं आया तो स्वजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। परंतु उसका कुछ पता नही चल सका। परिजन जंगल में ही उसकी खोजबीन कर रहे थे।

आज सुबह जब उसका भाई रवि खोजबीन करते हुए जंगल मे घूम रहा था तो शम्भू का शव गोला नदी के किनारे मिल गया। शरीर पर धारदार हथियार के निशान के साथ ही चेहरे पर चोट के निशान दिखाई दिए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर डाग स्क्वाड भी पहुंच गया है वहीं मौके से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। साथ ही परिजनों से मृतक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है। फिलहाल पीएम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस को चकमा दे गया 25 हजार का ईनामी बॉबी कटारिया

संवाददाता

देहरादून। 25 हजार का ईनामी यूट्यूबर बॉबी कटारिया उत्तराखण्ड पुलिस को चकमा देकर निकल गया और यह उसके वादे के कायल हुए लेकिन उसने वादा नहीं निभाया।

उल्लेखनीय है कि यूट्यूब पर एक वीडियों वायरल हुआ जिसमें एक युवक सडक के बीच में कुर्सी मेज लगाकर शराब पीता हुआ दिखायी दिया। जिसके बाद इस वीडियो की जांच हुई तो पता चला कि वीडियों में जो शख्स दिखायी दे रहा है उसका नाम बॉबी कटारिया है तथा जहां पर वह बैठकर शराब पी रहा है वह कैण्ट कोतवाली क्षेत्र के किमाडी का है। जांच में यह भी बात सामने आयी कि बॉबी कटारिया ने यह वीडियो 25 जुलाई को बनायी थी तथा इसको वायरल भी उसने स्वंय ही किया था। जिसके बाद पुलिस हरकत में आयी तथा पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार के आदेश पर 11 अगस्त को बॉबी कटारिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको नोटिस भेजा गया लेकिन बॉबी कटारिया ने उत्तराखण्ड पुलिस के नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया जिसके बाद पुलिस ने बॉबी कटारिया पर 25 हजार रूपये का ईनाम घोषित कर दिया।

ईनाम घोषित होने के बाद पुलिस ने उसके घर का कुर्की वारंट भी न्यायालय से जारी कराया था लेकिन उससे पहले ही हवाई जहाज में सिगरेट पीने के मामले में दिल्ली में दर्ज मुकदमें में बॉबी कटारिया ने सरेंडर कर दिया। जिसके बाद दून पुलिस उसको बी वारंट पर दून लाने की तैयारी में लग गयी लेकिन उनको बी वारंट नहीं मिला और इसी दौरान बॉबी कटारिया ने न्यायालय से जमानत ले ली। दिल्ली पहुंची दून पुलिस को वहां से खाली हाथ वापस आना पडा और बॉबी कटारिया उत्तराखण्ड पुलिस को चकमा देने में कामयाब रहा।

एसएसपी दलीप सिंह कुवंर से सम्पर्क करने पर उन्होंने बताया कि पुलिस ने बॉबी के अधिवक्ता के माध्यम से उससे सम्पर्क किया था तो उसने पुलिस से वादा किया था कि वह छह अक्टूबर को दून की न्यायालय में पहुंच जायेगा। जिसके बाद दून पुलिस उसके वायदे को लेकर वापस आ गयी। एसएसपी ने कहा कि अगर आज बॉबी कटारिया कोर्ट मे पेश नहीं होता है तो उसके ईनाम की राशि बढा दी जायेगी और आगे की कार्यवाही की जायेगी। लेकिन बॉबी न्यायालय नहीं पहुंचा। जिससे यह बात साफ हो गयी कि 25 हजार का ईनामी बॉबी कटारिया दून पुलिस को चकमा देने में कामयाब रहा।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।